आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 21.06.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशाखापत्तनम में राष्ट्र का नेतृत्व किया, कहा– योग शांति को दिशा देता है।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देहरादून में योग शिविर में भाग लिया। योग को आमजन के जीवन से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।
- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– प्रदेश के गढ़वाल और कुमाऊं मण्डल में एक–एक आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र की स्थापना की जाएगी।
- प्रदेशभर में विभिन्न स्थानों पर योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज विश्व तनावों से गुजर रहा है और ऐसी स्थिति में योग शांति की दिशा दिखाता है। विशाखापत्तनम में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि योग दिवस पर पूरा विश्व आज एक साथ योग कर रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि पूरे विश्व में योग प्रसार के लिए भारत आधुनिक अनुसंधान के माध्यम से योग विज्ञान को सशक्त कर रहा है। देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान योग पर अनुसंधान में लगे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष योग दिवस की थीम– एक पृथ्वी एक स्वास्थ के लिए योग– स्मरण कराता है, कि किस प्रकार वर्तमान और भावी पीढ़ियों का सुखद भविष्य सुनिश्चित करने के लिए पूरा विश्व एकजुट है। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सबल बनाने का सशक्त माध्यम है।

योग दिवस राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि भारत की पहल पर वैश्विक स्तर पर योग के प्रति सम्मान बढ़ा है और आज विश्वभर में लोग योग को अपनाकर इससे लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली का मूल आधार है। राष्ट्रपति राजधानी देहरादून स्थित पुलिस लाइन में आयोजित एक योग शिविर को संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति ने योग को आमजन के जीवन से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है और यह जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में भी सहायक सिद्ध होता है।

योग दिवस भराड़ीसैंण

उत्तराखंड आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरी तरह योगमय हो गया। राज्य के विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायत भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित हुए सामूहिक योग सत्रों में हज़ारों लोगों ने हिस्सा लिया।

मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कई मंत्री, अधिकारी, आम नागरिक और देश–विदेश से आए विशिष्ट अतिथि शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने एक बड़ी घोषणा भी की। श्री धामी ने कहा कि राज्य के गढ़वाल और कुमाऊं मण्डल में एक–एक आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र की स्थापना की जाएगी।

योग दिवस पर उत्तराखंड में केवल आसनों की प्रस्तुति ही नहीं हुई, बल्कि यह आयोजन योग के संदेश – ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिये योग'', को जन–जन तक पहुँचाने का माध्यम बना।

योग दिवस प्रदेश

प्रदेशभर में विभिन्न स्थानों पर आज योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। बागेश्वर जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में हजारों लोगों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली का संकल्प लिया। बागेश्वर के खेल मैदान, विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालय परिसरों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष योग सत्र आयोजित किए गए। जिला मुख्यालय मे सरयू नदी के किनारे सरयू घाट में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने कहा कि योग, दुनिया भर में लोगों के स्वास्थ्य और मानसिक शांति का माध्यम बना है। उन्होंने कहा कि हम सभी को इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

उत्तरकाशी जिले के अनेक स्थानों पर योग कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम स्थल कीर्ति इंटर कॉलेज में आयोजित योग कार्यक्रम में लोगों को योग के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। टिहरी जिले के विभिन्न स्थानों पर योगाभ्यास किया गया। मुख्य कार्यक्रम नई टिहरी के राजकीय प्रताप इंटर कालेज बौराड़ी में हुआ। इसके अलावा जिले के मुनिकीरेती, देवप्रयाग, तपोवन, घनसाली, लंबगांव आदि स्थानों पर आम जनता और छात्रों ने योगाभ्यास किया।

रुद्रप्रयाग जिले में पुलिस और जिला प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने योगाभ्यास कार्यक्रमों में भाग लिया। केदारनाथ धाम में भी योगाभ्यास किया गया।

अतिक्रमण बैठक

हल्द्वानी कैंप कार्यालय में देवखड़ी और रकसिया नाले पर अतिक्रमण की रोकथाम को लेकर नैनीताल की जिलाधिकारी वंदना सिंह की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में कहा गया कि 23 से 29 जून तक कैंप लगाकर नोटिसों को लेकर दस्तावेजों की जांच की जाएगी।

इस संबंध में उपजिलाधिकारी राहुल शाह ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि जिन व्यक्तियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उन्हें अभिलेख प्रस्तुत कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए। वहीं अगस्त के दूसरे सप्ताह तक अंतिम कार्रवाई 23 से 29 जून तक चिह्नित स्थलों पर नगर निगम, राजस्व व सिंचाई विभाग की टीम कैंप लगाएगी। 10 जुलाई तक अधिकारी अभिलेखों की जांच कर अतिक्रमणों की श्रेणीवार सूची तैयार करेंगे। 10 से 25 जुलाई तक स्थलीय निरीक्षण व अभिलेखों का सत्यापन होगा। 25 जुलाई से एक अगस्त तक सभी पक्षों की सुनवाई के बाद विभाग अतिक्रमणों का निराकरण करेंगे। अगस्त के दूसरे सप्ताह तक समीक्षा बैठक कर अंतिम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।